

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशिवल्स जज	नम्बर व ता. अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
------------	-----------------------------------	--

25/3/2017

शर्षीयां ने अर्षे अतिवाक्य अज अथालय द्वारा प्रकरण संख्या 31/2011 पत्नीयरी नामप कपील -
 धनराज कर्डी / कर्तव्य कर्डी वॉ. मे पारित आदेश दि० 15/3/2017 के संबंध में उक्त मितिय को रिव्यू करने हेतु प्राप्य जस्टिस कर करन किया है कि शर्षीयम अतिवाक्य के दिनांक 15/3/2017 को अपील हुए थे किंतु इस वक्त श्रीमान् पी. जे. अतिवाक्य मिति में अस्त होने के कारण बहुत नये से फर्षी की किंतु वड से अतिवाक्य अपील हुए हैं। अतिवाक्य के अपील होने पर जानकारी हुई की श्रीमान् द्वारा प्रकरण में एपपक्षीय बहुत चुनकर शर्षीयां के विरुद्ध तुलत आदेश पारित कर दिये हैं। शर्षीयां के विरुद्ध एपपक्षीय बिना चुनवाई बिने आदेश पारित करना C.P.C. आदेश-20 के अन्तर्गत नये आता है किधि के प्रतिपदिन सिद्धांत को अस्थानजर रखते हुए तथा अथदिन में श्रीमान् द्वारा पारित एपपक्षीय मितिय दि० 15/3/17 को रिव्यू किया जाकर, विविक्तम चुनवाई का अवसर प्रदान कर, पुनः आदेश पारित किया जावे।
 होने शर्षीयां द्वारा जस्टिस प्राप्य (रिव्यू) का आदेशों अवलोकन किया तथा मूल कपील में पारित आदेशिका एवं आदेश का

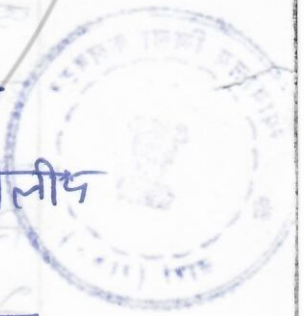


दिना कलकट
 बारां (राज०)

25/9/2012

अध्ययन एवं अनु विद्या जिस्तये प्रगिर
 घेरा है कि प्रथीयां अत्रिनाकतु हाण अपील
 में लगातार कहत हेतु अवसा - गहे गये
 है, अत्रिनाकतु को भी ~~अ~~ कुर अवसर कहत
 हेतु दिये गये है, किन्तु लगातार अत्रिनाकतु
 कहत हेतु अनुपायन रहे है कहत समाजन
 किस दिनाङ्क 15/3/12 को भी अत्रिनाकतु
 को अडकड कर कहत हेतु आवाज दिलायी
 गयी है, किन्तु अत्रिनाकतु अनुपायन रहे है
 अंति आदेश दिनाङ्क 15/3/12 से प्ररण में
 पीक्षण अमान प्रकली पीक्षण आयालय
 तहसीलदा अंग को प्रतिवेदन की गयी है।
 प्राप्पत्र के प्रथीयां अत्रिनाकतु हाण ऐसा कोई
 दोस आधा रस्तुन नये किला है जिस्तये अवीजीध
 आदेश दि 15/3/12 को रिखु विद्या जावे।
 यदि द्वीजाथीयां अत्रिनाकतु इस प्रयालय हाण
 परिश्र आदेश से अपसन हे गे वह प्रसन्न
 आयालय मे अपील जाने हेतु स्वंगे ही प्राप्पत्र
 मे रिखु का कोर आधार नही है। उल्लेख्य
 प्रथीयां का रिखु प्राप्पत्र कारित किला जाय
 है।

आदेश की प्रति तहसीलदा अंग को
 पालनाथ मित्रवापी जावे। प्राथीनापत्र दर्ज रजिस्टर
 घेका फंसल शुमार ये गया अड गभीलतकभील
 अत्रिलेख भण्डा मे प्रवीछ ये। आदेश
 सुनाय गया।



आ कलकट
 वारा (राव०)

1330
 30-10-17